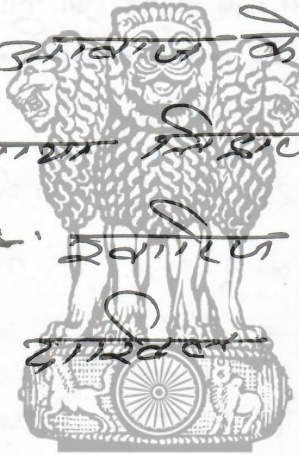


21619

पञ्जावली पंथ इसी अर्थसाध को
 बार-बार आवाज लगाई गिरी
 कावपूठ आवाज के कौड़ी उप०
 नदीं आशा निराल अर्थसाध अर्थ
 दावरी में शक्ति की लगी है
 पञ्जावली दावरी अर्थसाध है।



सत्यमेव जयते

Web Copy - Not Official

Handwritten signature or initials in blue ink.